

कोटा में किडनी फेलियर से जूझ रही एक और प्रसूता की मौत

15 दिन से सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती थी प्रसूता

कोटा, (निसं)। मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में एक और किडनी फेलियर से पीड़ित प्रसूता की मौत मंगलवार को हो गई है। उसने सुबह चार बजे उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वह बीते 15 दिनों से सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती थी जबकि इसके पहले 12 अक्टूबर को उसका प्रसव जेके लोन अस्पताल में नॉर्मल हुआ था। जहां पर उसने मृत नवजात को जन्म दिया था, जिसकी हाई बीपी और एनीमिक होने के चलते पेट में ही मौत हो गई थी। इस प्रसूता को मिलाकर कोटा मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में 12 दिन में चौथी प्रसूता की मौत हो गई है।

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नीलेश जैन का कहना है कि शाहबाद निवासी 25 वर्षीय प्रसूता रेशु की मौत हुई है। किडनी फेलियर के बाद यह प्रसूता बारां जिले से रेफर होकर आई थी, जिसकी किडनी भी बारां में ही फेल हो गई थी। लगातार 15 दिन उसका इलाज सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में चला है। जिसमें जरूरत के अनुसार डायलिसिस भी करवाई गई। पूरे प्रोटोकॉल से ही ट्रीटमेंट किया गया है। इसके पहले उसका प्रसव भी जेके लोन में इमरजेंसी में कराया गया था

■ 12 अक्टूबर को महिला का प्रसव जेके लोन अस्पताल में नॉर्मल हुआ था, जहां पर उसने मृत नवजात को जन्म दिया था

जहां पर मृत नवजात को उसने जन्म दिया था।

गायनकोलोंजी विभाग अध्यक्ष और जेके लोन अस्पताल की सुपरिंटेंडेंट डॉ. निर्मला शर्मा का कहना है कि रेशु की डिलीवरी के समय ही हाई बीपी बनी थी। उसे उसके दो प्रसव पहले हो चुके हैं और तीसरे में भी काफी हाई रिस्क प्रेग्नेंसी थी। वह 8 महीने की गर्भवती थी। वह हाई बीपी से जूझ रही थी। उसे खून की कमी थी। बीपी के चलते इंटरनल ब्लॉडिंग हो गई थी। गर्भ में ब्लॉडिंग के बाद ब्लड जमा हो गया था। उसका हीमोग्लोबिन 6.5 ही था, जबकि यह आमतौर पर 12 के आसपास रहता है। इसी के चलते उसकी बॉडी में काफी सूजन आई हुई थी। इसे पहले शाहबाद और फिर उसके बाद बारां से कोटा रेफर किया गया था। बारां से ही इसका रीनल फेलियर हो गया था। जेके लोन अस्पताल में यह 12 अक्टूबर को शाम को लेकर आए थे। यहां कुछ ही घंटे में इसका प्रसव कर दिया गया था। नवजात ब्रांड डेड हुआ

था जब इसकी जांच करवाई गई क्रिएटनम बढ़ा हुआ आया था। जिसके बाद उसे सुपर स्पेशलिटी में शिफ्ट करने की बात की। वहां पर 13 अक्टूबर को शिफ्ट कर दिया गया था। वहीं दूसरे मामले में जेके लोन अस्पताल की गायनकोलोंजी विभाग अध्यक्ष और जेके लोन अस्पताल के अधीक्षक डॉ.निर्मला शर्मा ने बताया कि बारां जिले के छबड़ा निवासी 26 वर्षीय शबनम की भी मौत हुई है। वह करीब 24 घंटे अस्पताल में भर्ती भी रही है, जबकि सिजेरियन डिलीवरी के जरिए उसके नवजात को बचा लिया गया है। शबनम कोमा की हालत में ही रेफर होकर जेके लोन अस्पताल पहुंची थी। पूरी जानकारी परिजनों को दे दी गई थी और उसके बाद ही ऑपरेशन कर बच्चे को सेफ किया गया है। इस दौरान उसका बीपी कम हो गया था। उसे वेंटिलेटर सपोर्ट भी दिया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी।

मृतका के भाई सरफराज का कहना है कि 22 अक्टूबर को बारां

हॉस्पिटल में शबनम को सिजेरियन डिलीवरी के लिए भर्ती किया था। उसका खाना-पीना बंद कर दिया गया और आले दिन 23 अक्टूबर को सिजेरियन करने के लिए कहा था लेकिन डॉक्टर ने 12 घंटे बीत जाने के बाद भी ऑपरेशन नहीं किया। वहीं, 23 अक्टूबर को शाम 7 बजे ही उसको ड्रिप चढ़ाई गई, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और दौरे पड़ने लगे थे। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में सबसे पहले कोटा में ही मई महीने में प्रसूताओं की मौत के मामले सामने आए थे जिसमें चार प्रसूताओं और एक गर्भवती की मौत हो गई थी। वहीं, इसके बाद अक्टूबर महीने में फिर प्रसूताओं की मौत के मामले शुरू हुए। ऐसे में 12 दिन में यह चौथी मौत हुई है।

चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक कोटा जोन डॉ.जगदीश सोनी का कहना है कि बारां जिला अस्पताल के पीएमओ ने इस संबंध में जांच कमेटी बनाई है। इस जांच कमेटी में गायनी की डॉ.रिंकेश मीणा एनेस्थीसिया की डॉ.गरिमा गौल और सीनियर स्पेशलिस्ट डॉ. हरिओम मीणा शामिल हैं।

सरमथुरा में खेत से लौट रही महिला पर जरख का हमला

महिला के चेहरे पर घाव हुये, हाथ की हड्डी टूटी, हायर सेंटर रेफर किया

सरमथुरा, (निसं)। उपखंड के गोलारी ग्राम पंचायत के बहेरीपुरा गांव में खेत से लौट रही महिला पर जरख ने हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। महिला फसल काटकर खेत से घर लौट रही थी।

घायल महिला का नाम कमला पत्नी उत्तम गुर्जर है। वह बहेरीपुरा की रहने वाली है। कमला अपनी धानी की

■ घटना की जानकारी मिलते ही सरमथुरा रेंजर देवेंद्र सिंह अस्पताल पहुंचे

फसल काटकर खेत से घर लौट रही थी, तभी गांव के पास जरख ने उस पर हमला कर दिया। ग्रामीणों ने कमला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरमथुरा पहुंचाया। चिकित्सा प्रभारी गोरेलाल

मीणा ने बताया कि महिला के हाथ की हड्डी टूट गई है और उसे गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही सरमथुरा रेंजर देवेंद्र सिंह चौहान अस्पताल पहुंचे। उन्होंने उच्च अधिकारियों को रिथित से अवगत कराया और सरकारी मुआवजे का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने सरकार से सहायता राशि दिलाने की मांग की है।

छह फीट ऊंची दीवार फांदकर बाड़े में घुसा लैपर्ड

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में गोगुंदा थाना क्षेत्र में दो दिन पहले देर रात लैपर्ड द्वारा भैंस के बछड़े का शिकार करने की घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें लैपर्ड करीब 6 फीट ऊंची बाड़े की दीवार फांदकर अंदर घुसता हुआ नजर आ रहा है। लैपर्ड बाड़े में बछड़े का शिकार करने के बाद दूसरे रास्ते से निकल गया।

इस घटना के बाद से आसपास ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोग अकेले रात में बाहर निकले से डर रहे हैं। ग्रामीणों ने पिंजरा लगाकर लैपर्ड पकड़ने की मांग की है लेकिन अभी तक लैपर्ड पकड़ा नहीं गया है। बताया जा रहा है कि गांव के आसपास पहाड़ी इलाके में लैपर्ड का मूवमेंट है।

टोंक में अवैध मादक पदार्थ बरामद, 10 गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाये गये एक दिवसीय विशेष अभियान "नशा मुक्त भारत अभियान" में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री से जुड़े मामलों में जिला स्पेशल टीम व विभिन्न पुलिस थाना टीमों ने एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए जिलेभर में 11 मामलों दर्ज किए और 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस टीम ने 56 किलो 681 ग्राम

■ एनडीपीएस एक्ट के मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे 5 वांछित आरोपियों को भी पकड़ा

गांजा और गांजे के हरे पौधों के साथ 1 किलो 566 ग्राम डोडा-पोस्ट और करीब 7 ग्राम 320 मिलीग्राम स्मैक जब्त की है तथा इसके अलावा नशीले इंजेक्शन, प्रतिबंधित गोलिएं, नकदी और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही

एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। पुलिस ने बताया कि जब्त मादक पदार्थों की कुल अंतरराष्ट्रीय अनुमानित कीमत करीब 11 लाख 63 हजार 910 रुपए है। वहीं दूनी थाना पुलिस ने नशीले इंजेक्शन और प्रतिबंधित गोलिएं की जब्त की, जिसमें ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड के 4 इंजेक्शन और अफ्साजोलम की 71 गोलिएं शामिल हैं।

इस कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से 1 लाख 41 हजार 15 रुपए नकद जब्त किए गए हैं एवं इसके

अलावा मादक पदार्थों की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियान के दौरान एनडीपीएस एक्ट के मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे 5 वांछित आरोपियों को भी पकड़ा गया। इस तरह अभियान में मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में गिरफ्तार किए गए 10 आरोपियों के अलावा 5 वांछित आरोपियों को पकड़े जाने की जानकारी दी गई है।

ट्रेन के एसी कोच में पांच बैगों में शराब की खेप मिली, आरोपी को पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। ट्रेन छूटने में महज पांच मिनट बाकी थे। इसी दौरान आरपीएफ की नजर हड़पसर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के एसी कोच में सीट के नीचे रखे पांच बैगों पर पड़ी। तलाशी ली तो उनमें ब्रांडेड शराब की 97 बोतलें मिलीं। बिक्री के लिए इस शराब को गुजरात ले जाने की तैयारी थी। आरपीएफ की जोधपुर मंडल टास्क टीम ने सोमवार रात यह कार्रवाई की। बरामद शराब की कीमत 1 लाख 3 हजार रुपए की बताई जा रही है। शराब बरामद के साथ ही एक आरोपी को पकड़ा गया है।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त नीतीश शर्मा ने बताया कि यह कार्रवाई महानिरीक्षक सहप्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त (आरपीएफ) ज्योति कुमार सतीजा और मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के निदेश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन सतर्क और नशामुक्त भारत अभियान के तहत की गई। उन्होंने बताया कि घटना 26 अक्टूबर की रात करीब 9.55 बजे की है। ट्रेन संख्या 20495



आरपीएफ की जोधपुर मंडल टास्क टीम ने शराब जब्त की।

जोधपुर-हड़पसर सुपरफास्ट एक्सप्रेस रवाना होने वाली थी। आरपीएफ मंडल टास्क टीम के सहायक उप निरीक्षक अशोक कुमार, हैड कॉन्स्टेबल संजय विश्‍नोई और कॉन्स्टेबल योगेंद्र व मनीष

की टीम चेकिंग पर थी। जब ये टीम कोच नंबर ए-1 कोच में पहुंची तो सीट नंबर 17 के नीचे पांच बैग रखे नजर आए। टीम को इन बैगों पर शक हुआ। इस पर बैगों की तलाशी ली गई। तलाशी

सीकर जिले की पहाड़ियों में एक युवती घायल हालत में मिली

युवती बोलने की हालत में नहीं है, पुलिस बयान के आधार पर जांच करेगी

सीकर, (निसं)। सीकर के गोकुलपुरा थाना इलाके में कोट बांध के पास पहाड़ियों में एक कोरियोग्राफर युवती घायल हालत में मिली। युवती के भाई ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि किसी ने बहन को ड्रास देकर मारपीट की है। इसके बाद पहाड़ियों में छोड़ा है। फिलहाल युवती बोलने की हालत में नहीं है। पुलिस उसके बयान के आधार पर मामले की जांच करेगी।

गोकुलपुरा एसएचओ राजाराम

लेधा ने बताया कि सोमवार को पुलिस

कुएं में गिरने से महिला की मौत

रूपवास, (निसं)। क्षेत्र के गांव नगला हवेली में कुएं में गिरने से एक महिला की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान कमलेश (58) पत्नी श्रीराम जाटव निवासी नगला हवेली के रूप में हुई है। थानाधिकारी विनोद मीणा ने बताया कि महिला मानसिक रूप से कमजोर थी और उसका उपचार चल रहा था। महिला कुएं में गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा शव को तुरूप से निकलवाने के बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करवाई। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार, मृतका के पति श्रीराम ने इस संबंध में मर्ग रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

■ युवती के भाई ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि किसी ने बहन को ड्रास देकर मारपीट की है

थाने पर सूचना मिली कि कोट बांध के पास पहाड़ियों में एक युवती घायल हालत में मिली है। जिसके शरीर पर कई जगह चोट के निशान हैं।

सूचना पर टीम मौके पर पहुंची

और उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया। मामले में युवती के भाई ने मुकदमा दर्ज करवाया गया। भाई का आरोप है कि उसकी बहन को कोई अपने साथ लेकर गया और ड्रास देकर जान से मारने की नियत में पहाड़ी में छोड़ दिया। पुलिस के अनुसार युवती नशे की हालत में है। ऐसे में वह अब तक कुछ नहीं बोल सकी है। युवती के बयानों के बाद ही उसके साथ हुई घटना के बारे में पता लग पाएगा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों के चालान काटे, व्यापारियों में रोष

प्रत्येक दुकानदार पर 500 रुपए का चालान किए जाने पर व्यापारियों ने कार्रवाई का विरोध जताया

रूपवास, (निसं)। कस्बे में तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच दुकानों के चालान काटे हैं। प्रत्येक दुकानदार पर 500 रुपए का चालान किए जाने के बाद व्यापारियों ने कार्रवाई का विरोध जताया। व्यापारियों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि बड़े व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती, जबकि छोटे दुकानदारों को निशाना बनाया जा रहा है। वहीं पुलिस का कहना है कि बिना लाइसेंस तंबाकू उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

व्यापारी राजेश ने बताया कि वह

कस्बे के बस स्टैंड के पास तंबाकू उत्पादों

की दुकान संचालित करते हैं। उनके अनुसार, पुलिस टीम दुकान पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने दुकानदारों से तंबाकू बेचने का लाइसेंस मांगा। व्यापारियों का कहना है कि किसी भी दुकानदार के पास लाइसेंस उपलब्ध नहीं था। इसके बाद पुलिस ने दुकानों के 500-500 रुपए के चालान काटने शुरू कर दिए। व्यापारी राजेश सहित अन्य दुकानदारों ने आरोप लगाया कि जब उन्होंने पुलिस कार्रवाई का विरोध किया तो पुलिसकर्मियों ने उन्हें जेल में बंद करने की धमकी दी। व्यापारियों का कहना है कि पहले भी कई बार छोटे दुकानदारों के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई की जा चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि तंबाकू उत्पादों का कारोबार

करने वाले बड़े व्यापारियों पर कार्रवाई नहीं होने से छोटे दुकानदारों में नाराजगी है। व्यापारियों ने कार्रवाई में समानता बरतने की मांग करते हुए कहा कि यदि नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की जा रही है तो सभी संबंधित व्यापारियों के खिलाफ एक समान कार्रवाई होनी चाहिए। इस संबंध में रूपवास थाने के एसएसआई कुंज बिहारी ने बताया कि बिना लाइसेंस तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। बस स्टैंड क्षेत्र में पांच दुकानों के चालान काटे गए हैं। उन्होंने कहा कि बिना लाइसेंस तंबाकू उत्पाद बेचने वाले अन्य व्यापारियों के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

लाडनूं नगर पालिका में ठेकेदारों ने टेंडर प्रक्रिया निरस्त करने की मांग की

नगर पालिका में टेंडर जमा करने का निर्धारित समय निकलने के बाद भी निविदाएं जमा नहीं हो पाईं

लाडनूं, (निसं)। नगरपालिका में शहर की सार्वजनिक रोशनी व्यवस्था से जुड़े 53 लाख रुपए के तीन टेंडरों की प्रक्रिया को लेकर मंगलवार को विवाद खड़ा हो गया। टेंडर जमा कराने के लिए जयपुर, कोटा, किशनगढ़ और डीडवाना सहित अलग-अलग शहरों से पहुंचे ठेकेदारों को नगर पालिका कार्यालय में जिम्मेदार अधिकारी और संबंधित कर्मचारी नहीं मिले। टेंडर जमा करने का निर्धारित समय निकलने के बाद भी जब उनकी निविदाएं जमा नहीं हो पाईं तो ठेकेदारों ने उपखंड अधिकाारी को ज़ापन सौंपकर नाराजगी जताई और टेंडर प्रक्रिया निरस्त करने की मांग की।

नगरपालिका की ओर से जारी निविदा सूचना के अनुसार तीन कार्यों के लिए 27 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे तक निविदाएं जमा करानी थीं, जबकि प्राप्त निविदाएं दोपहर 2 बजे खोली जानी थीं। मंगलवार सुबह करीब 9.30 बजे से ही लगभग 15 ठेकेदार फर्मों के संचालक और प्रतिनिधि सीलबंद निविदा प्रपत्र जमा कराने नगरपालिका कार्यालय पहुंचने लगे। ठेकेदारों का आरोप है कि निर्धारित समय तक इंतज़ार करने के बावजूद उन्हें निविदाएं जमा करने के लिए कोई जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी नहीं मिला। उन्होंने ने बताया कि अधिशाषी अधिकारी एवं निविदाओं से संबंधित



ठेकेदारों ने उपखंड अधिकारी को ज़ापन सौंपा।

■ लाडनूं शहर की सार्वजनिक रोशनी व्यवस्था से जुड़े 53 लाख रुपए के तीन टेंडरों की प्रक्रिया को लेकर विवाद खड़ा हो गया

■ टेंडर जमा कराने के लिए जयपुर, कोटा, किशनगढ़ और डीडवाना सहित कई शहरों से पहुंचे ठेकेदारों को पालिका कार्यालय में जिम्मेदार अधिकारी और संबंधित कर्मचारी नहीं मिले

अधिकारी के कक्ष पर भी ताला लगा हुआ था। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और

कर्मचारियों से मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन नहीं उठाए।

इससे ठेकेदारों में नाराजगी बढ़ गई। ठेकेदारों का कहना है कि दोपहर 12 बजे निविदाएं जमा करने और 2 बजे उन्हें खोलने का निर्धारित समय निकलने के बाद भी उन्हें कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। बाद में ठेकेदारों से कहा गया कि वे कमरा नंबर-2 में अपनी निविदाएं जमा करवा सकते हैं। हालांकि, ठेकेदारों के अनुसार वहां मौजूद कर्मिकों ने निविदाएं जमा करने की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। ऐसे में ठेकेदारों ने निर्धारित समय निकलने के बाद निविदाएं जमा कराने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। नगरपालिका की ओर से क्षेत्र में एलईडी लाइटों की सप्लाई और फिक्सिंग, आरसीसी बिजली के खंभों एवं ब्रेकेट्स सहित एलटी सपोर्टिंग एसेसरीज की सप्लाई और फिक्सिंग तथा मौजूदा हाई मास्ट खंभों पर हाई पावर फ्लड लाइटों की सप्लाई और फिक्सिंग से कहा शामिल थे। इन तीनों कार्यों की कुल अनुमानित राशि करीब 53 लाख रुपए बताई गई है। ज़ापन देने वालों में देवेन्द्र राठौड़ कोटा, सुजन कुमार डीडवाना, नरेश सिंह चौहान किशनगढ़, जोगेंद्र सिंह जयपुर और राजवीर चौधरी डीडवाना शामिल थे। हर्द्रे चौधरी डैओ नगरपालिका लाडनूं का कहना है कि ऐसी कोई बात नहीं है। समय पर आने वाले संवेदकों की कांथियां ले ली गई थी।